छोटी मछली

जो भाग निकली

जॉनसन

VISIT…

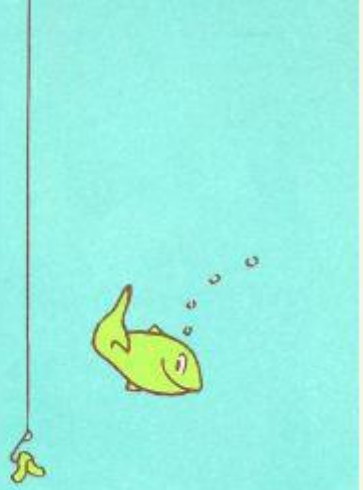

छोटी मछली

जो भाग निकली

जॉनसन

बहुत पुरानी बात है.
एक छोटा लड़का था
जिसे मछली पकड़ना बहुत पसंद था.

अगले पन्ने पर आप देखें
कि वो कहाँ जा रहा है.

वह रोज़ाना मछली पकड़ने जाता था.

लेकिन उसने आज तक
एक भी मछली नहीं पकड़ी थी.

हाँ, ठंड से उसे ज़ुखाम ज़रूर हुआ था.

बस एक दिन को छोड़कर.

और शायद तुम उस बात पर
कभी यकीन नहीं करो.

एक दिन उसने मिट्टी में से कुछ केचुए खोदे
और उन्हें एक डिब्बे में डाला.
फिर उसने पेड़ की एक लम्बी टहनी ली
वो बनी उसकी मछली पकड़ने की बंसी.

उसने टहनी को अपने कंधे पर रखा.
और फिर वो मछली पकड़ने चला.

वो अपने पसंदीदा स्थान पर पहुंचा जहाँ
उसने पहले कभी कोई मछली नहीं पकड़ी थी.
उसने कांटे में केचुआ लगाया,
और फिर कांटे को पानी में डाला.
फिर उसने इंतजार किया.

वो बहुत देर तक इंतजार करता रहा.

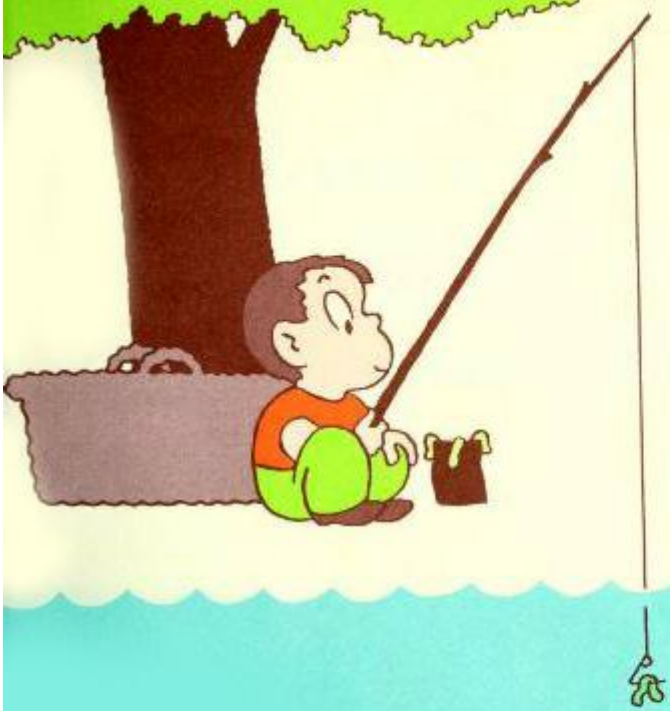

फिर उसने एक भीमकाय मछली
को आते हुए देखा.

वो मछली चारों ओर
गोल-गोल, गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल घूमती रही.

बिल्कुल इस प्रकार.

उसने कांटे पर लगे हुए केचुए को देखा.
फिर उसने अपनी पूंछ हिलाई.

फिर वो मछली चारों ओर गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल, गोल-गोल घूमी.

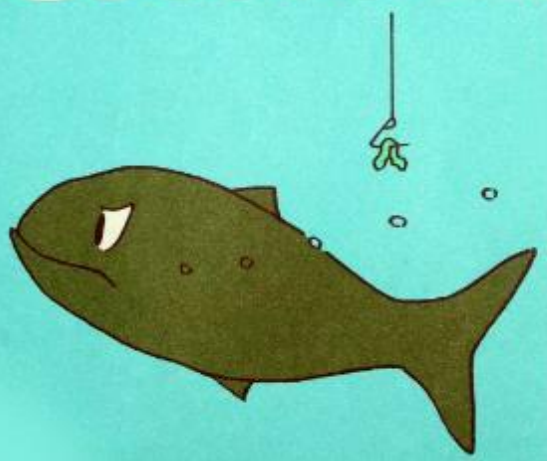

और फिर वो जहां से आई थी
वहीँ वापिस लौट गई.

बिल्कुल इस तरह.
हाँ, उसने वही किया.

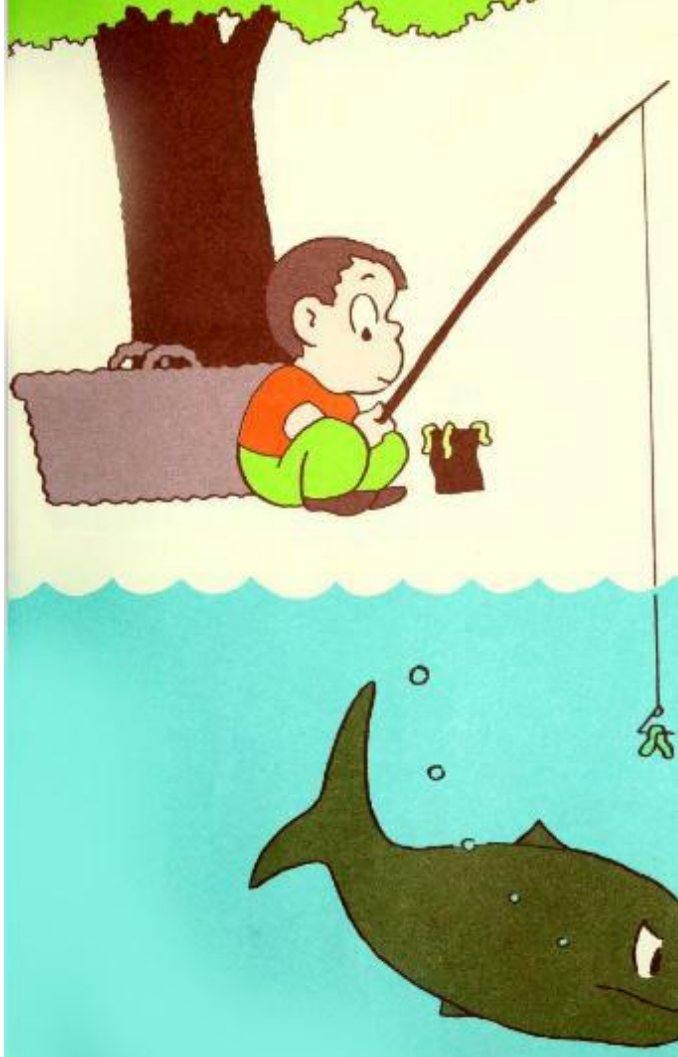

छोटा लड़का इंतजार करता रहा
इंतजार करता रहा -

वो बस इंतजार ही करता रहा.

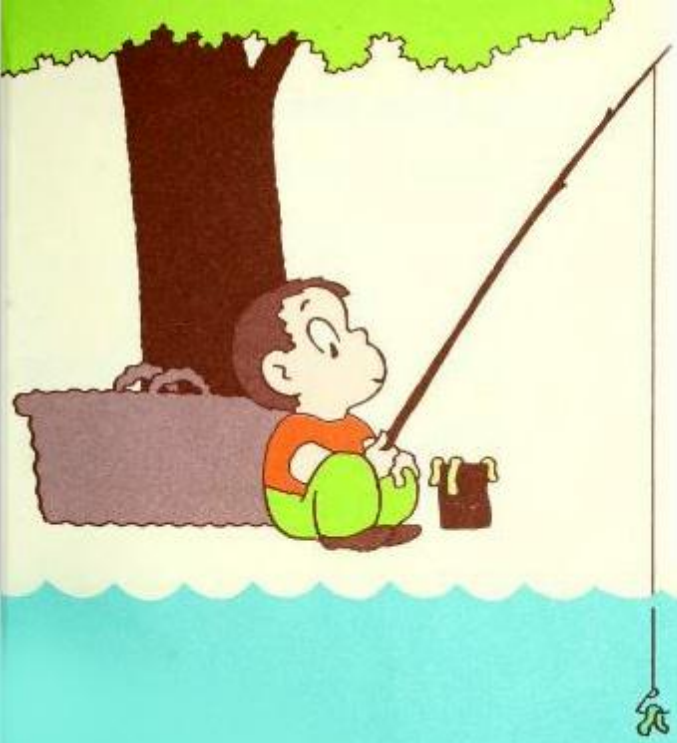

फिर एक बहुत विशाल मछली आई.

वो मछली चारों ओर गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल,
गोल-गोल घूमती रही.

इस तरह.

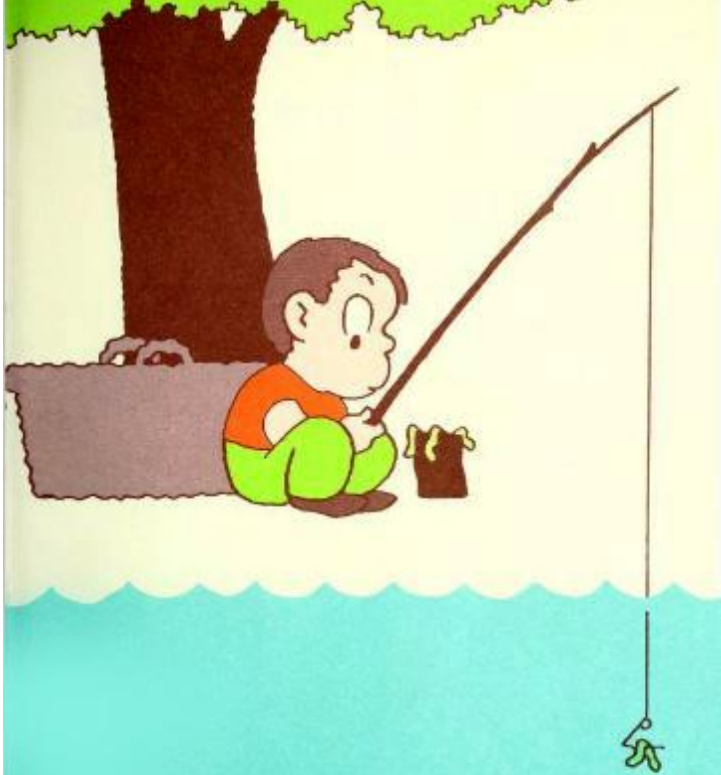

उसने कांटे पर लगे हुए केचुए को देखा.
फिर उसने अपनी पूंछ हिलाई.

फिर वो मछली चारों ओर गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल, गोल-गोल घूमी.

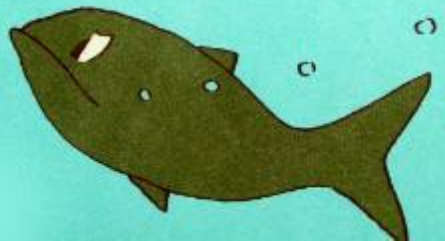

और फिर वो जहां से आई थी
वहीँ वापिस लौट गई.

बिल्कुल इस तरह.
हाँ, उसने वही किया.

छोटा लड़का इंतजार करता रहा
इंतजार करता रहा -

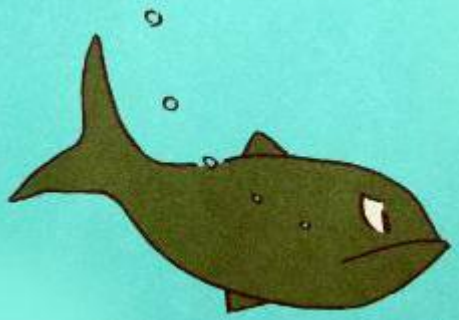

वो बस इंतजार ही करता रहा.

फिर एक बड़ी मछली आई.

वो मछली चारों ओर गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल,
गोल-गोल घूमती रही.

इस तरह.

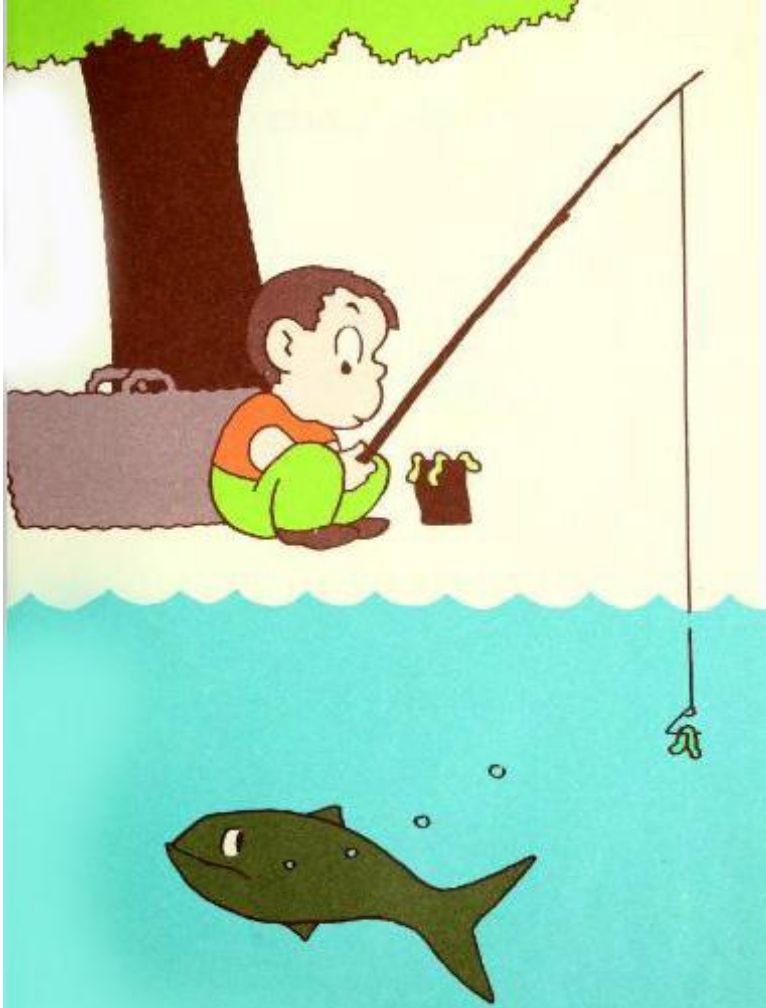

उसने कांटे पर लगे हुए केचुए को देखा.
फिर उसने अपनी पूंछ हिलाई.

फिर वो मछली चारों ओर गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल, गोल-गोल घूमी.

और फिर वो जहां से आई थी
वहीँ वापिस लौट गई.

बिल्कुल इस तरह.
हाँ, उसने वही किया.

इसलिए,
छोटा लड़का इंतजार करता रहा,
और इंतजार करता रहा.

वो बस इंतजार ही करता रहा.

फिर एक छोटी मछली आई.
वो मछली चारों ओर
गोल-गोल, गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल घूमती रही.

इस तरह.
हाँ उसने वही किया.

उसने कांटे पर लगे हुए केचुए को देखा.
फिर उसने अपनी पूंछ हिलाई.

फिर वो मछली चारों ओर गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल, गोल-गोल घूमी.

और फिर वो जहां से आई थी
वहीँ वापिस लौट गई.

बिल्कुल इस तरह.
हाँ, उसने वही किया

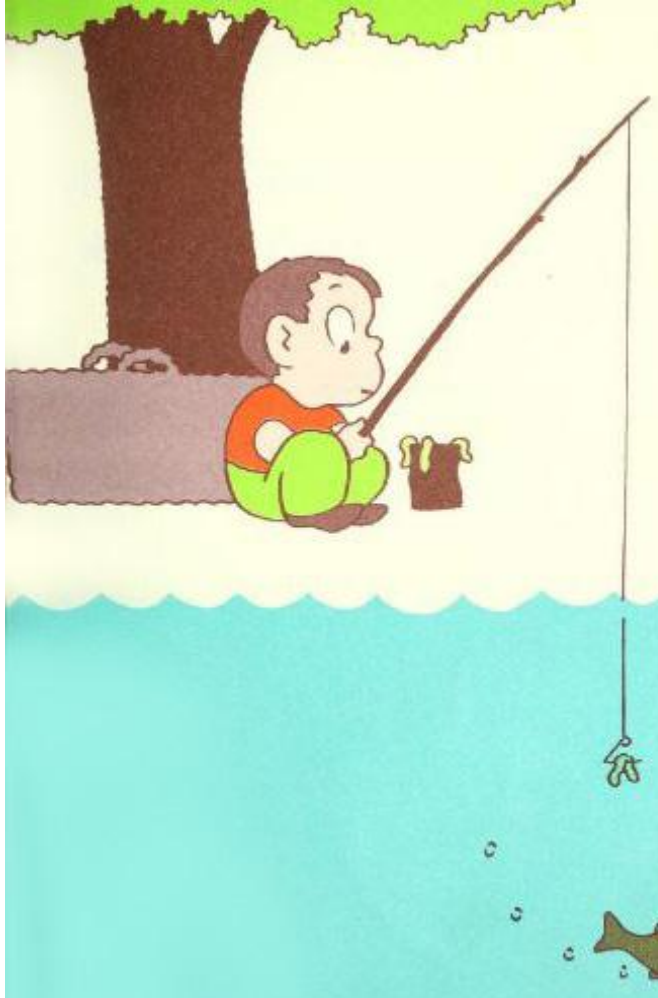

बेचारे छोटे लड़के ने दुखी होकर
तय किया कि उस दिन के बाद से
वो फिर से कभी मछली नहीं पकड़ेगा.
फिर उसने नीचे देखा -

पानी में.

उसने पानी में भीमकाय मछली को
फिर से वापस आते हुए देखा.

वो मछली चारों ओर गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल,
गोल-गोल घूमती रही.

उसने कांटे पर लगे हुए केचुए को देखा.
उसने अपनी पूंछ लहराई.

फिर -

उसने केचुए को खा लिया.
उसके बाद छोटे लड़के ने उस
भीमकाय मछली को पानी से
बाहर खींचा -

और उसे एक टोकरी में रखा
जिसे उसने पेड़ के नीचे रखा था
इस उम्मीद में कि शायद कभी कोई
मछली उसकी पकड़ में आए.

फिर उसने कांटे में एक और केचुआ लगाया,
उसने कांटे को पानी में डाला,

फिर वो विशाल मछली दुबारा वापस आई.
यह चारों ओर, गोल-गोल घूमी.

उसने कांटे में लगे केचुए को देखा
फिर उसने अपनी पूंछ लहराई.

फिर...

फिर उसने केचुए को खाया.
उसके बाद छोटे लड़के ने
उस विशाल मछली को
पानी से बाहर खींचा

और उसे एक टोकरी में रखा
जिसे उसने पेड़ के नीचे रखा था
इस उम्मीद में कि शायद कभी कोई
मछली उसकी पकड़ में आए.

फिर उसने कांटे में एक और केचुआ लगाया,
उसने कांटे को पानी में डाला,

फिर एक बड़ी मछली वापस आई.
यह चारों ओर, गोल-गोल घूमी.

उसने कांटे में लगे केचुए को देखा
फिर उसने अपनी पूंछ लहराई.

फिर...

उसने केचुआ खा लिया.
फिर छोटे लड़के ने उस बड़ी मछली को
पानी से बाहर खींचा -

और उसे एक टोकरी में रखा
जिसे उसने पेड़ के नीचे रखा था
इस उम्मीद में कि शायद कभी कोई
मछली उसकी पकड़ में आए.

फिर उसने कांटे में एक और केचुआ लगाया,
उसने कांटे को पानी में डाला,
उसने इंतजार किया
और इंतजार किया ...

और इंतजार किया.

और बहुत जल्द ही छोटी मछली भी
फिर से वापस आई.

छोटी मछली चारों ओर गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल, गोल-गोल
घूमती रही.

उसने कांटे पर लगे हुए केचुए को देखा.
उसने अपनी पूंछ लहराई.
उसने केचुए को सूंघा.

छोटा लड़का बहुत शांत बैठा और सोचता रहा -

जल्दी करो, छोटी मछली,

जल्दी से केचुआ खाओ.

फिर मैं घर जाऊंगा

और माता-पिता को वो सब मछलियाँ दिखाऊंगा

जो मैंने आज पकड़ीं हैं.

परंतु...

पर छोटी मछली ने केचुए को नहीं खाया.
वो देखती रही, और ताकती रही

फिर वो मछली चारों ओर गोल-गोल,
गोल-गोल, गोल-गोल, गोल-गोल घूमी.

और फिर वो जहां से आई थी
वहीँ वापिस चली गई.

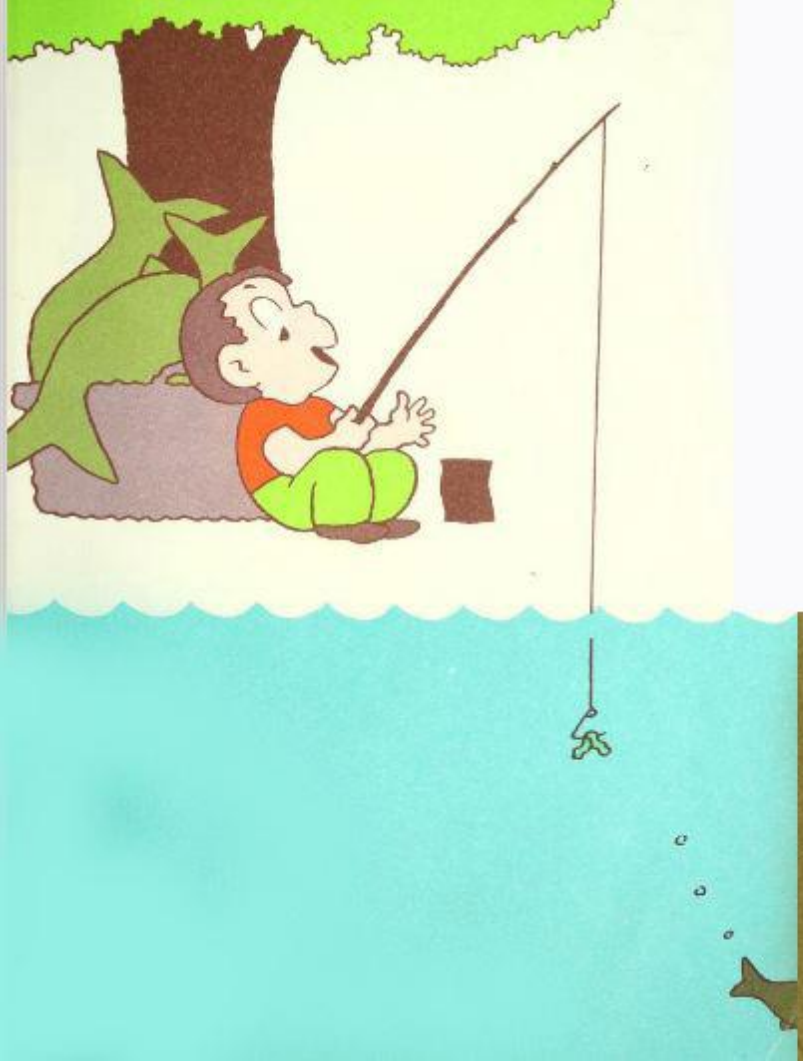

फिर छोटे लड़के ने अपनी टोकरी में
उस भीमकाय मछली, विशाल मछली,
और बड़ी मछली को रखा.

फिर वो अपने घर गया.

जब वह घर गया,
तो उसकी माँ ने मछलियां देखीं.
माँ, मछलियां देखकर बहुत खुश हुईं.
माँ ने उन्हें साफ किया,
और उन्हें रात के खाने के लिए पकाया.

छोटे लड़के के पिता ने
विशाल मछली को खाया.
माँ ने बहुत बड़ी मछली को खाया.
और छोटे लड़के ने सबसे बड़ी
भीमकाय मछली को खाया,
क्योंकि वो बहुत भूखा था.
हाँ उसने वही किया.

जब वे भोजन कर रहे थे,
तो छोटे लड़के ने बताया कि
उसने वो मछलियां कैसे पकड़ीं,
और कैसे उस छोटी मछली ने कांटे
पर लगे केचुए को नहीं खाया.
फिर वे सभी इस बात पर हँसे कि
वो छोटी मछली, कैसे भाग निकली.

समाप्त